केन्द्रीय विद्यालय की मांग को लेकर राजगढ़ कस्बा सातवें दिन भी बंद रहा

अभिभाषक मंडल के एक दर्जन सदस्य क्रमिक अनशन पर बैठे हैं

राजगढ़/अलवर, (निसं)। केंद्रीय विद्यालय की मांग को लेकर राजगढ़ सातवें दिन भी बंद रहा। रैणी क्षेत्र के दलालपुरा में किए गए केंद्रीय विद्यालय के आवंटन को निरस्त करने की मांग को लेकर राजगढ़ आवाज मंच के बैनर तले चल रहा आंदोलन सातवें दिन भी जारी रहा। आंदोलन के समर्थन में मंगलवार को भी राजगढ़ कस्बे का सम्पूर्ण बाजार बंद रहा, जिससे जनजीवन आंशिक रूप से प्रभावित हुआ। हालांकि आवश्यक सेवाओं के तहत मेडिकल सेवाएं चालू रखी गई हैं। वहीं अभिभाषक मंडल के एक दर्जन सदस्य क्रमिक अनशन पर हैं।

आवाज मंच के संयोजक मुकेश जैमन गत शनिवार से ही कस्बे के गोल सर्किल पर आमरण अनशन पर बैठे हुए हैं। आंदोलन को और अधिक मजबूती देने के उद्देश्य से मंगलवार से दिनेश प्रधान एवं श्रीराम सैनी भी आमरण अनशन पर बैठ गए हैं। वहीं आंदोलन के दौरान कई सामाजिक संगठनों, अधिवक्ताओं एवं नागरिकों ने क्रमिक अनशन के माध्यम से समर्थन जताया। क्रमिक अनशन पर बैठने वालों में अभिभाषक मंडल के एडवोकेट विनोद पालीवाल, मनोज कुमार जैमन, योगेश व्यास, अशोक पटेल, राकेश जांगिड़, कैलाश चंद भारद्वाज, विजय दीवान, देवीप्रसाद अंशु, भरत सिंह चौहान, जितेंद्र सैनी, पुखराज शर्मा, अजय निदानिया, हरिओम सैनी, संजय सैनी, महेंद्र सैनी, महेंद्र खेड़ापति, भरतलाल मीना एवं सीताराम वशिष्ट शामिल हैं।

राजगढ़ आवाज मंच के बैनर तले चल रहा आंदोलन सातवें दिन भी जारी रहा।

- **दलालपुरा में केंद्रीय विद्यालय के आवंटन को निरस्त करने एवं राजगढ़ में खुलवाने की मांग दोहराई**

राजगढ़ आवाज मंच के मुकेश जैमन ने मंगलवार को दलालपुरा में केंद्रीय विद्यालय के आवंटन को निरस्त करने एवं राजगढ़ में खुलवाने की मांग दोहराई। कस्बे के गोल मार्केट पर प्रमुख व्यापारी वर्गों के साथ प्रमुख लोग एवं आमजन मौजूद रहा। सनातन सभा की ओर से राजगढ़ में केंद्रीय विद्यालय को लेकर चलाए जा रहे आंदोलन का समर्थन किया है। इस मांग को बड़ी बताते हुए उन्होंने श्री राम मंदिर निर्माण की द्वितीय वर्षगांठ पर आयोजित होने वाली 31 दिसंबर को शोभायात्रा को स्थगित कर दिया है। आवाज मंच की ओर से चल हे प्रदर्शन में सर्व समाज की ओर से लोगों के लिए जलपान का पूर्ण प्रबंध किया।

नाबालिग से दुष्कर्म का इनामी आरोपी गिरफ्तार

बांसवाड़ा, (निसं)। दानपुर थाना पुलिस ने 11 माह से फरार नाबालिग से दुष्कर्म के पांच हजार के ईनामी आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस टीम तीन दिन तक उदयपुर रही और मजदूर बनकर निर्माण साईट पर पहुंची और छत भराई के बहाने ईनामी आरोपी शंकर को डिटेन किया।

मामले में गत 7 फरवरी को दानपुर थाना क्षेत्र के एक व्यक्ति ने रिपोर्ट दी कि 31 जनवरी की दोपहर उसकी नाबालिग 14 वर्षीय पुत्री घर पर झाडू पोछा कर रही थी तभी उसकी सहेली आयी और पुत्री उसकी सहेली के साथ चली गयी। देर शाम तक जब पुत्री घर नहीं लौटी तो प्रार्थी व परिजनों ने काफी तलाश की, जब सहेली से पूछा गया तो उसने बताया कि रास्ते में शंकर पुत्र मानु मोटरसाईकिल लेकर आया जो प्रार्थी की पुत्री को बहलाकर ले गया। बाद में प्रार्थी अपने परिजन, समाज के पंचों व गांव के लोगों के साथ अभियुक्त के घर गये व पुत्री को सुपुर्द करने को कहा तो उसने लौटाने से मना कर दिया। प्रार्थी की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर तलाश की गयी लेकिन आरोपी पीड़िता को लेकर भूमिगत हो गया। 8 जुलाई को पीड़िता अभियुक्त के चंगुल से बच निकली जिसे पुलिस ने दस्तयाब किया। इधर मामला दर्ज होने की भनक लगते ही आरोपी फरार हो गया। जिला पुलिस अधीक्षक सुधीर जोशी के निर्देशानुसार आरोपी की गिरफ्तारी के लिये दानपुर थानाधिकारी लक्ष्मीचंद के नेतृत्व में टीम गठित की गयी। इधर आरोपी मध्यप्रदेश के विभिन्न स्थानों पर होने की संभावनाओं के चलते वहां भी तलाश की गयी। इधर टीम के एएसआई विरेन्द्र राज सिंह व कांस्टेबल हीरालाल उदयपुर पहुंचे और मजदूर ठेकेदार बनकर तीन दिन तक डेरा डाले रखा एवं जगह-जगह साईटों पर मजदूर ठेकेदार बनकर घूमते रहे। इसी दौरान अभियुक्त के गांव के मजदूरों द्वारा छत भराई का कार्य करने की जानकारी मिली जहां पर जाकर ठेकेदार बनकर छत भराई के लिये 20 मजदूरों की जरूरत होना बताया एवं नाम-पते लिये तो आरोपी शंकर पुत्र मानु उर्फ मानजी निवासी कुण्डा का भी पता चला जिस पर मौके से डिटेन कर गिरफ्तार किया गया।

गर्भवती महिला को कुण्ड में डुबोकर हत्या करने का आरोप

सादुलपुर, (निसं)। हमीरवास पुलिस थाने के गांव हरपालू कुबड़ी में एक गर्भवती महिला की दहेज के लिए प्रताड़ित करते हुए कुण्ड में डुबोकर हत्या करने के आरोप में ससुराल पक्ष के खिलाफ दहेज हत्या के आरोप का मामला दर्ज किया है। वहीं विवाहिता की मौत के बाद हमीरवास थाना पुलिस ने मंगलवार दोपहर को मृतका का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंपा है।

थानाधिकारी राय सिंह ने बताया कि धर्मपाल पुत्र चन्दूराम निवासी मण्ढोली खुर्द तहसील सिवाणी भिवाणी ने इस आरोप का मामला दर्ज करवाया है कि उसकी पुत्री मोनू का विवाह दो मार्च 2025 को दिनेश पुत्र मांगेराम जाट निवासी हरपालू कूबड़ी के साथ हुआ था, विवाह के समय उसके द्वारा अपनी हैसियत से बढ़कर दान-दहेज मोनू के ससुरालवालों को दिया था।

- **विवाहिता के पिता ने हमीरवास थाने में मामला दर्ज करवाया**

आरोप है लगाया है कि विवाह के बाद से ही उसकी पुत्री मोनू से उसका पति दिनेश, सास सन्तोष, ससुर मांगेराम एवं ननद सुनिता दहेज में कार की मांग को लेकर उसे तंग-परेशान एवं प्रताड़ित करने लगे।

आरोप लगाया है कि उसकी पुत्री मोनू को उसके पति दिनेश, सास सन्तोष एवं ननद सुनिता ने दहेज के लिए तंग परेशान एवं प्रताडित करते हुए उसकी पुत्री मोनू की कुण्ड में डुबोकर हत्या की है। हमीरवास थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच प्रारंभ कर दी है।

22 माह पहले हो चुकी है पन्नी देवी की मौत, फिर भी हर माह उठ रहा राशन

- **हाल ही में मृत पन्नीदेवी के नाम से किसी ने गत 3 दिसम्बर 2025 को ही राशन उठाया है**
- **सरकार के आकड़ों में पन्नीदेवी की मृत्यु 20 फरवरी 2024 को 22 माह पूर्व हो चुकी है**

भीम, (निसं)। भीम उपखण्ड के बालातों की गुआर ग्राम पंचायत के कुंडाल की गुआर से एक चौकाने वाला मामला सामने आया है, जिसमें राशन उठाने वाली महिला न तो किसी वाहन की मालिक है और न ही आयकर देने वाली है। इस महिला की मौत हो चुकी है। प्रकरण उपखण्ड मुख्यालय के समीपस्थ बालातों की गुआर पंचायत के कुण्डाल की गुआर निवासी पन्नीदेवी पत्नी लालसिंह का है। सरकार के आकड़ों में पन्नीदेवी की मृत्यु 20 फरवरी 2024 को आज से 22 माह पूर्व हो चुकी है। ग्राम पंचायत द्वारा पन्नुदेवी का मृत्यु प्रमाण पत्र 24 फरवरी 2024 को जारी किया जा चुका है।

जानकारी के अनुसार पन्नुदेवी एकल महिला होकर राशन कार्ड खाद्य सुरक्षा में पंजीकृत है। पन्नीदेवी जीवित रहते लकवाग्रस्त होने से 10 जून 2019 को राशन भुगतान हेतु बायोमेट्रिक व्यवस्था से मुक्त कर बाईपास किया गया। परन्तु अब जब पन्नीदेवी की मृत्यु ही 20 फरवरी 2024 को हो चुकी है तो पन्नीदेवी का राशन कौन उठा रहा है।

उल्लेखनीय है कि पन्नीदेवी के राशन कार्ड में वैसे तो एकल महिला अकेली पन्नीदेवी ही पंजीकृत है। जिससे एनएफएसए में एक यूनिट 5 किलो राशन बनता है, परन्तु पन्नीदेवी का राशन कार्ड बीपीएल से भी निम्न श्रेणी अन्त्योदय में चयनित होने से हर माह 35 किलो राशन उठ रहा है। अब प्रश्न खड़ा होता है कि जब पन्नीदेवी की मृत्यु के बाद अन्य कोई यूनिट ही नहीं रही तो पन्नीदेवी का राशन कौन उठा रहा है। यह जांच का विषय है। उल्लेखनीय है कि खाद्य सुरक्षा पोर्टल की जानकारी के अनुसार पन्नीदेवी ने आठ दिन पूर्व 12 फरवरी 2024 को राशन उठाया था। परन्तु मृत्यु के पश्चात् भी लगातार 22 माह से पन्नीदेवी के नाम से उचित मूल्य की दुकान 1065 सेंटर डी भीम से कोई राशन उठा रहा है। हाल ही में 22 माह पूर्व मृत पन्नीदेवी के नाम से किसी ने गत 3 दिसम्बर 2025 को ही राशन उठाया है।

विकास शर्मा, उपखण्ड अधिकारी भीम ने बताया कि प्रकरण गंभीर है। प्रकरण को लेकर जिला रसद अधिकारी एवं विकास अधिकारी को जांच कर तथ्यात्मक रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिये हैं।

धीरसिंह मीणा, वीडीओ बालातों की गुआर ने बताया कि पन्नीदेवी एकल महिला होकर लकवाग्रस्त थी। जिसकी मृत्यु होने पर ग्राम पंचायत बालातों की गुआर द्वारा मृत्यु प्रमाण पत्र जारी किया गया है। मृत्यु पश्चात् खाद्य सुरक्षा में राशन लेने के मामले की जांच की जाएगी।

शुभमसिंह, राशन डीलर भीम ने बताया कि पन्नीदेवी के राशन भुगतान को लेकर मुझे कोई जानकारी नहीं है। मैं अगले माह से इस नाम की महिला का ध्यान रखूंगा कि इनका राशन कौन लेने आता है।

दो पक्षों में विवाद

सादुलपुर, (निसं)। राजगढ़ कस्बे में शिव मंदिर के पास वार्ड 15 में दो पक्षों में आपस में जमकर लाठी-डंडे व पत्थर चलने के आरोप का मामला सामने आया है। वहीं वारदात का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। जिसमें एक दो महिला तथा एक पुरुष को चोटें आने का आरोप है। मामले को लेकर दोनों पक्षों ने राजगढ़ थाने में परिवाद सौंपा है, जिसमें पुलिस ने परिवाद लेकर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार मामूली कहासुनी व आपस में बच्चों की लड़ाई परिजनों पर भारी पड़ गई, जिसको लेकर दो पक्ष पडोसी आपस में भीड़ गए एवं कुछ अन्य लोग शामिल हो गए। नीरज शर्मा ने बताया कि उनके घर पर करीब 50 लोग लाठी-डंडे लेकर पहुंच गए और पत्थर मारने लगे, जिससे घर के शीशे टूट गए घर के लोगों ने बड़ी मुश्किल से जान बचाई। दूसरे पक्ष रोशन का कहना है कि मामूली सी बात को लेकर कहासुनी हुई थी। थाना अधिकारी राजेश कुमार सिहाग ने कहा दोनों पक्षों की ओर से परिवाद आया है, घटना का मौका निरीक्षण कर लिया है।

कलैक्टर ने बिचपुरी-जाटोली में कार्यों का निरीक्षण किया

अलवर, (निसं)। अलवर जिला कलैक्टर आर्तिका शुक्ला ने मंगलवार को मालाखेड़ा पंचायत समिति की ग्राम पंचायत मोहबतपुर के बिचपुरी गांव में चल रहे प्लांटेशन कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने जाटोली गांव की चरागाह भूमि का भी जायजा लिया, जहां वाटरशेड विभाग द्वारा नया पौधारोपण प्रस्तावित है। निरीक्षण के दौरान कलैक्टर शुक्ला ने हरित राजस्थान अभियान और वाटरशेड योजना के तहत नर्सरी तथा पौधारोपण की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को पर्यावरण संरक्षण को प्राथमिकता देते हुए सभी योजनाओं को समयबद्ध तरीके से पूरा करने के निर्देश दिए।

कलैक्टर ने बताया कि जाटोली गांव की चरागाह भूमि पर वाटरशेड विभाग द्वारा फरवरी माह में एक नर्सरी तैयार की जाएगी। इसके लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। निरीक्षण के दौरान जिला कलैक्टर ने पटवारी को उन गांवों में श्मशान घाट की भूमि शीघ्र चिन्हित कर आवंटित करने के निर्देश दिए, जहां अभी तक भूमि का आवंटन नहीं हुआ है। उन्होंने सरकारी विद्यालयों में ओपन जिम स्थापित करने के भी निर्देश दिए, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं को बढ़ावा मिल सके। कलैक्टर आर्तिका शुक्ला ने यह भी स्पष्ट किया कि सरकारी योजनाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और लापरवाही बरतने वाले कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

शिल्पग्राम उत्सव का समापन, विभिन्न प्रदेशों की संस्कृतियां साकार हुई

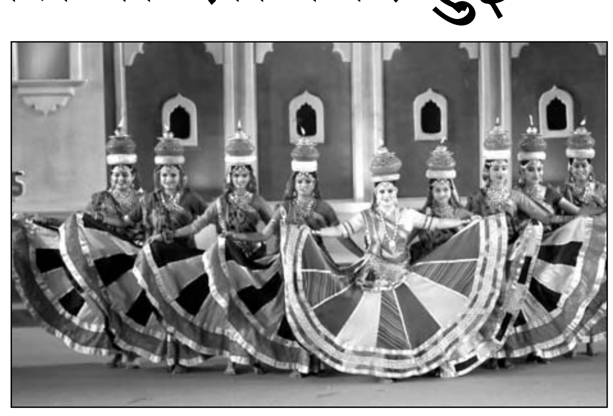

शिल्पग्राम उत्सव के समापन पर विभिन्न राज्यों के कलाकारों ने अपनी कला का प्रदर्शन किया।

उदयपुर, (कासं)। शिल्पग्राम उत्सव का मंगलवार को समापन हो गया। इस दौरान मंच पर विभिन्न प्रदेशों की संस्कृतियां साकार हुई। वहीं म्यूजिकल सिंफनी में शामिल करीब तीन दर्जन लोक वाद्ययंत्रों ने जब शिल्पग्राम की फिजाओं में धमकदार संगीत को घोला तो श्रोता सम्मोहित से हो गए।

विभिन्न राज्यों के फोक म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट्स सारंगी, बांसुरी, मादल, रबाब, मोरचंग और पुंग ने जब एक दूसरे से सवाल-जवाब करने के अंदाज में ताल मिलाई तो दर्शक मंत्रमुग्ध हो वाह-वाह कर उठे। जिसने भी सिंफनी को इस नए रूप में देखा और सुना, वह दिल से दाद दिए बगैर नहीं रह सका। यह परफोरमेंस पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, उदयपुर की ओर से आयोजित शिल्पग्राम उत्सव के आखिरी दिन मंगलवार को शिल्पग्राम के मुक्ताकाशी मंच पर दी गई।

शिल्पग्राम के भव्य मंच पर करीब तीन दर्जन वाद्ययंत्रों को नए धमक और चमकदार रूप में ढाला इसके निर्देशक एवं परिकल्पनाकार पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, उदयपुर के निदेशक फुरकान खान ने। इस नए रूप में सुरमई आलाप और कर्णप्रिय संगीत का और भी बेहतर तालमेल देख-सुनकर कलाप्रेमियों के चेहरे खिल उठे। इस परफोरमेंस में राजस्थान के बॉर्डर जैसलमेर-बाड़मेर से लेकर कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पूर्वोत्तर के असम, मणिपुर और दक्षिण के तमिलानाडु के लोक वाद्ययंत्रों को शामिल किया गया। मेलार्थियों को यह प्रस्तुति म्यूजिकल होते हुए भी न सिर्फ सुनने, बल्कि खूबसूरत कॉस्ट्यूम और कुछ नृत्य शैलियों के कारण देखने में भी नयनाभिराम बनी। इनमें खरताल, मोरचंग, विभिन्न राज्यों के ढोल-ढोलक-ढोलकी, मादल, सारंगी, बांसुरी, रबाब, मटकी, पुंग, रणसिंगा, करनाल, बीन, हार्मोनियम, भपंग, अलगोजा जैसे इंस्ट्रूमेंट्स शामिल हैं।

सिंफनी से पूर्व मुक्ताकाशी मंच पर विभिन्न राज्यों के लोक नृत्यों ने दर्शकों को खूब रिझाया। मंच पर गुजरात की आदिवासी संस्कृति को प्रस्तुत करते लोक नृत्यों डांग और सिद्धि धमाल ने जादू बिखेरा। वहीं, उत्तर और दक्षिण भारत के लोकप्रिय मयूर, मणिपुर के अनूठे शास्त्रीय और फोक मिश्रित नृत्य पुंग ढोल चोलम, पश्चिम बंगाल के राय बेंसे और पुरुलिया छाऊ, महाराष्ट्र के लावणी नृत्य खूब सराहे गए, तो राजस्थान के कालबेलिया नृत्य ने सभी का दिल जीत लिया।

इनके साथ ही भपंग वादन, उत्तराखंड के छापेली और असम के बिहू डांस ने दर्शकों को रिझाया। इनके साथ ही मणिपुर के थांग-ता स्टिक, ओडिशा के गोटीपुआ व पश्चिम बंगाल के नटुआ लोक नृत्यों ने दर्शकों को खूब रोमांचित किया, तो भांगड़ा व सिंघी छम डांस पर भी दर्शक झूमने लगे। कार्यक्रम का संचालन दुर्गेश चांदवानी और डॉ. मोहिता दीक्षित ने किया। मुख्य कार्यक्रम से पूर्व मुक्ताकाशी मंच पर सुंदरी वादन, तेराताली, मांगणियार गायन और भवई नृत्य की प्रस्तुतियों को भी दर्शकों ने खूब सराहा।

राज्य स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह की तैयारियों को लेकर मुख्य सचिव ने बैठक ली

जयपुर, (कासं)। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने कहा कि गणतंत्र दिवस-2026 का राज्य स्तरीय समारोह हर वर्ष की तरह हर्षोल्लास, उमंग के साथ भव्यता और परंपरागत रूप से आयोजित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि गणतंत्र दिवस-2026 के राज्य स्तरीय समारोह का आयोजन जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में किया जाएगा। मुख्य सचिव मंगलवार को शासन सचिवालय में राज्य स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह-2026 की तैयारियों के संबंध में आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे।

- **उत्साह, उमंग और उल्लास के साथ सवाई मानसिंह स्टेडियम में होगा मुख्य आयोजन**
- **जर्मन ड्रिल, एमजीडी बैंड, मनमोहक झांकियां आकर्षण का केन्द्र रहेंगी, प्रमुख स्थानों पर होगी सजावट**

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने गणतंत्र दिवस समारोह को लेकर बैठक ली।

उन्होंने कहा कि 77वें गणतंत्र दिवस के सफल आयोजन के लिए सभी विभागों के अधिकारी अपने निर्धारित दायित्व को पूरा करते हुए आपसी समन्वय से कार्य करें। श्रीनिवास ने अधिकारियों को गणतंत्र दिवस के अवसर पर सभी प्रमुख भवनों, दर्शनीय स्थलों तथा राजकीय कार्यालयों व प्रमुख सार्वजनिक स्थानों पर आकर्षक सजावट करने के निर्देश दिए। उन्होंने समारोह में अधिक से अधिक जन भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए कहा। मुख्य सचिव ने राज्य स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह-2026 की तैयारियों की समीक्षा करते हुए निर्देशित किया कि समारोह स्थल पर आगंतुकों की बैठने की व्यवस्था, पेयजल, मेडिकल टीम की तैनाती, सुरक्षा तथा यातायात प्रबंधन सहित सभी आवश्यक तैयारियां समय पर पूर्ण की जाएं। उन्होंने सभी स्थानों पर चाक-चौबंद सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए।

मुख्य सचिव ने कहा कि समारोह के दौरान स्कूली बच्चों के कार्यक्रम, लोक कलाकारों की प्रस्तुतियां तथा पुरस्कार वितरण कार्यक्रम से जुड़ी सभी व्यवस्थाएं सुचारू रूप से संपन्न करवाई जाएं। उन्होंने पुलिस, स्वायत्त शासन, नगरीय विकास, सार्वजनिक निर्माण, शिक्षा तथा सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों को आपसी समन्वय से कार्य कर अपनी जिम्मेदारियों का प्रभावी ढंग से निर्वहन करने के निर्देश दिए। साथ ही, लोकभवन में आयोजित होने वाले एट होम कार्यक्रम के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में शासन सचिव, सामान्य प्रशासन नवीन जैन ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से राज्य स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह के आयोजन की तैयारियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस वर्ष मुख्य समारोह में कार्यक्रमों की श्रृंखला में जर्मन ड्रिल का भी आयोजन किया जाएगा। इसके अलावा लगभग 1200 छात्र-छात्राओं के द्वारा कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी जाएंगी। साथ ही, इस वर्ष एमजीडी सहित प्रमुख बैण्ड्स द्वारा प्रस्तुति दी जाएगी। बैठक में पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा सहित संबंधित विभागों के उच्चाधिकारी तथा जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

नौखा बाईपास पर खड़े दुर्घटनाग्रस्त कंटेनर में आग लगी

नोखा, (निसं)। नोखा बाईपास पर एक दुर्घटनाग्रस्त कंटेनर में अचानक आग लग गई। इस कंटेनर में किया कंपनी की छह नई कारें लोड थी। आग की लपटें कंटेनर के अगले हिस्से से उठकर पीछे की ओर फैलने लगी थी, जिससे अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सूचना मिलते ही नोखा थाना पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। आग ने कंटेनर के केबिन और अगले हिस्से को अपनी चपेट में ले लिया था। फायर ब्रिगेड की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आगजनी की इस घटना में कंटेनर में लदी एक कार का अगला हिस्सा आंशिक रूप से जल गया। हालांकि, शेष पांच कारों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। समय रहते आग पर काबू पाने से करोड़ों रुपये के संभावित नुकसान को टाला जा सका। गौरतलब है कि दो दिन पहले इसी कंटेनर से नोखा बाईपास पर एक सड़क हादसा हुआ था। उस दुर्घटना में नोखा के वार्ड नंबर चार निवासी एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई थी। हादसे के बाद से ही यह कंटेनर सड़क किनारे खड़ा था और उसे हटाया नहीं जा सका था।

स्थानीय लोगों ने बताया कि हादसे के बाद कंटेनर का लंबे समय तक सड़क किनारे खड़ा रहना खतरे का कारण बन रहा था। अचानक आग लगने से आसपास के क्षेत्र में दहशत फैल गई। आग लगने के कारणों का अभी तक स्पष्ट खुलासा नहीं हो पाया है। पुलिस ने आग लगने के कारणों की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में शॉर्ट सर्किट या किसी अन्य तकनीकी खराबी की संभावना से इनकार नहीं किया जा रहा है। पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि आगजनी की यह घटना पिछले सड़क हादसे से किसी प्रकार से संबंधित है या नहीं।

आग से झुलसी महिला की मौत

जोधपुर, (कासं)। शहर के देवनगर थाना क्षेत्र राजीव गांधी कॉलोनी में कुछ दिनों पूर्व आग से झुलसी महिला की उपचार के बीच मौत हो गई। वह घर पर चाय बनाते आग से झुलसी थी। पति की तरफ से मर्ग में रिपोर्ट दी गई है। जांच प्रशासनिक अधिकारी की तरफ से की जा रही है। देवनगर पुलिस ने बताया कि राजीव गांधी कॉलोनी एक कबाड़ दुकान के पीछे रहने वाली 25 साल की अक्षिता पत्नी कुलदीप सिंह को गत दिनों घर पर चाय बनाते आग से झुलसने पर परिजन ने अस्पताल में भर्ती करवाया था। उसकी अब मौत हो गई। पति कुलदीप सिंह ने घटना के संबंध में देवनगर थाने में मर्ग की रिपोर्ट दी है।

राज्य सरकार की योजनाओं से बालिका शिक्षा को बढ़ावा मिला

जयपुर। बालिका शिक्षा फाउंडेशन द्वारा संचालित गार्गी पुरस्कार योजना, बालिका प्रोत्साहन योजना, मुख्यमंत्री हमारी बेटियां योजना एवं पद्माक्षी पुरस्कार योजना बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने में मील का पत्थर साबित हो रही है।

इन योजनाओं के माध्यम से शिक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली बालिकाओं को न केवल सम्मानित किया जा रहा है, बल्कि उन्हें आगे की पढ़ाई के लिए प्रोत्साहन और आत्मविश्वास भी मिल रहा है। इन योजनाओं का उद्देश्य बालिकाओं को शिक्षा के क्षेत्र में समान अवसर उपलब्ध कराना, ड्रॉपआउट दर को कम करना तथा समाज में बालिका शिक्षा के प्रति सकारात्मक सोच को मजबूत करना है। योजनाओं के प्रभाव से राज्य में बालिकाओं के नामांकन, ठहराव और शैक्षिणक उपलब्धियों में उल्लेखनीय वृद्धि देखने को मिल रही है।

गार्गी पुरस्कार योजना :- माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान अजमेर द्वारा आयोजित माध्यमिक, प्रवेशिका परीक्षा एवं स्वामी विवेकानंद राजकीय मॉडल स्कूलों की माध्यमिक परीक्षा (कक्षा 10वीं) में 75 प्रतिशत व इससे अधिक अंक प्राप्त करने वाली बालिकाएं प्रात्र है। इसके तहत कक्षा 11 में नियमित रहने पर प्रथम किस्त के तहत तीन हजार रुपए और कक्षा 12 में नियमित रहने पर द्वितीय किस्त के तीन हजार रुपए पुरस्कार राशि के तौर पर दिए जाएंगे। आवेदन की अंतिम तिथि 10 जनवरी रखी गयी है।

बालिका प्रोत्साहन पुरस्कार योजना :-इस योजना के अंतर्गत माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान अजमेर द्वारा आयोजित उच्च माध्यमिक, वरिष्ठ उपाध्याय परीक्षा व स्वामी विवेकानंद राजकीय मॉडल स्कूलों की उच्च माध्यमिक परीक्षा (कक्षा 12वीं) में 75 प्रतिशत व इससे अधिक अंक प्राप्त करने वाली बालिकाएं प्रात्र है। इसके तहत पांच हजार रुपए की एक मुश्त पुरस्कार राशि दी जाती है।

मुख्यमंत्री हमारी बेटियां योजना :-मुख्यमंत्री हमारी बेटियां योजना के तहत कक्षा 11वीं-12वीं में पढ़ने वाली बालिकाओं को 115,000 प्रति वर्ष की सहायता राशि प्रदान की जाती है। उच्च शिक्षा के लिए बालिकाओं को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से संचालित इस योजना के तहत प्रत्येक जिले से 4 बालिकाओं (2 टॉपर, 1 बीपीएल, 1 अनाथ) का चयन होता है।

डॉ.अरुणा शर्मा, (सचिव), बालिका शिक्षा फाउंडेशन का कहना है कि बालिका शिक्षा ही सशक्त समाज और समृद्ध भविष्य की आधारशिला है। उक्त योजनाएं द्वारा बालिकाओं को विद्यालय से जोड़कर उनकी निरंतर उपस्थिति और शैक्षिक प्रगति सुनिश्चित करने में सहायक सिद्ध हो रही है।